बसनिया बांध परियोजना

पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण से तीखे सवाल

5 लाख पेड़ों की बलि और 31 गांवों के विस्थापन पर बवाल

मंडला, नवभारत। नर्मदा घाटी में प्रस्तावित बसनिया ओढारी बांध परियोजना को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध और पर्यावरणीय चिंताओं की आवाजें तेज होने लगी हैं। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के वरिष्ठ सदस्य राज कुमार सिन्हा ने मांग की है कि इस परियोजना की पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट को तुरंत सार्वजनिक किया जाए, जिससे प्रभावित नागरिक इसके सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों को समझ सकें।

बताया गया कि प्रस्तावित बसनिया बांध के कारण मंडला और डिंडोरी जिलों के 31 गांवों के कुल 2,737 परिवार सीधे तौर पर विस्थापित और प्रभावित होने जा रहे हैं। इस परियोजना के चलते कुल 6343 हेक्टेयर भूमि जलमग्न हो जाएगी। डूब क्षेत्र में निजी भूमि 2,443 हेक्टेयर, वन भूमि 2,107 हेक्टेयर, शासकीय भूमि 1,793 हेक्टेयर, कुल डूब क्षेत्र 6,343 हेक्टेयर भूमि आएगी। इस विशाल वन भूमि के डूबने के कारण क्षेत्र में लगभग 5 लाख पेड़ों की कटाई होने का अनुमान है, जो स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

कम उत्पादन और विशेषज्ञ समिति के कड़े निर्देश

इस परियोजना से 8,780 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और 100 मेगावाट जलविद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार 100 मेगावाट की क्षमता होने के बावजूद इससे सालाना केवल 35 करोड़ यूनिट बिजली का ही उत्पादन हो सकेगा। इसी के मद्देनजर केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की नदी घाटी विशेषज्ञ समिति ने 21 नवंबर 2023 को नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण को एक विस्तृत लिखित निर्देश जारी किया था। समिति ने निर्देश

दिया था कि परियोजना को हरी झंडी मिलने से पहले कई महत्वपूर्ण बिंदुओं का वैज्ञानिक व जमीनी अध्ययन किया जाए। बताया गया कि इन महत्वपूर्ण बिन्दुओं में नर्मदा और संबंधित नालों के जलग्रहण क्षेत्र की वहन क्षमता, जल प्रवाह की निरंतरता और संचयी पर्यावरणीय प्रभावों का विस्तृत अध्ययन। डूब क्षेत्र में आने वाले वृक्षों, वनस्पतियों और जीवों की संख्या व घनत्व की प्रजातिवार सूची तैयार करना और अनुसूची-1 के अंतर्गत संरक्षित वन्यजीवों के लिए मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक से संरक्षण योजना स्वीकृत कराना। इसके साथ ही स्थानीय व प्रवासी पक्षियों और मछलियों की विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन। जलाशय व वन क्षेत्र से लगे कम से कम 10 गांवों की मिट्टी की गुणवत्ता का अध्ययन और तीनों ऋतुओं में 10 अलग-अलग स्थानों पर भूजल स्तर का मापन करना, डाउनस्ट्रीम और डूब क्षेत्र में रेत व अन्य खदानों का सर्वेक्षण, निर्माण सामग्री के परिवहन की विस्तृत रिपोर्ट तथा उपयोग में आने वाली खदानों के सुधार व पुर्नस्थापन की कार्ययोजना शामिल है।

जनसुनवाई की मांग

पर्यावरण कार्यकर्ता राज कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के नियमों के तहत, इस रिपोर्ट के आधार पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एक औपचारिक जनसुनवाई आयोजित की जानी अनिवार्य है। इस जनसुनवाई के माध्यम से ही स्थानीय नागरिकों और प्रभावित परिवारों से उनके अधिकारों, सामाजिक प्रभावों और पर्यावरणीय चिंताओं से जुड़ी आपत्तियां व सुझाव आमंत्रित किए जा सकते हैं। इसलिए इस रिपोर्ट का सार्वजनिक होना बेहद जरूरी है।

नई योजना के क्रियान्वयन, कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी

विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन 2026-27 का जनपद पंचायत नारायणगंज में शुभारंभ

नारायणगंज, नवभारत। जनपद पंचायत नारायणगंज के सभा कक्ष में 1 जुलाई 2026 बुधवार को VB-G RAM-G (विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन) 2026-27 के शुभारंभ अवसर पर मनरेगा मेट संघ की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में नई योजना के क्रियान्वयन, कार्यप्रणाली एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों जनप्रतिनिधियों ने नई योजना के शुभारंभ पर सभी मेट साथियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आजीविका संवर्धन एवं विकास कार्यों को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने सभी मेटों से जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर योजना अधिकारी पंकज साहू (एपीओ) ने बताया कि पूर्व में संचालित मनरेगा योजना अब VB-G RAM-G (विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन) के नाम से संचालित होगी। उन्होंने योजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं नवीन दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायतों में 318 नए विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनका शीघ्र क्रियान्वयन किया जाएगा। साथ ही नई कार्यकारिणी एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मेट संघ अध्यक्ष प्रेमसिंह नरेती, कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रीति विश्वकर्मा, सचिव मनीष दुबे, जिला मीडिया प्रभारी हेमसिंह परते, पवन सिंह, डुमारी लाल, अनूप सिंह, महेश कुमार, जगदीश कुमार, चमरू लाल सहित बड़ी संख्या में मेट भाई-बहनों ने भाग लिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने नई योजना के सफल संचालन तथा ग्रामीण विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

एक नजर में

27 वर्षों की सेवा के बाद प्रभारी सुपरवाइजर नरेंद्र बैरागी सेवानिवृत्त

मंडला, नवभारत। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पाठा में पदस्थ प्रभारी सुपरवाइजर नरेंद्र बैरागी 27 वर्षों की सराहनीय एवं समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में सीएचसी परिसर में मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीबीएमओ) डॉ. अमृत लाल कोल के मार्गदर्शन में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने कहा कि नरेंद्र बैरागी ने अपने सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्यों को विभाग हमेशा सम्मान के साथ याद रखेगा।

ये रहे उपस्थित- विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री बैरागी के उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बैंड-बाजों के साथ उन्हें सम्मानपूर्वक उनके निवास तक विदा किया। इस अवसर पर बीईई विजय मरावी, बीसीएम शैलेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट कमलेश सिंह, लैब टेक्नीशियन कैलाश सोनी, नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज का समस्त स्वास्थ्य अमला एवं सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहा।

मरीजों के लिए ईश्वर का स्वरूप हैं चिकित्सक

मंडला। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के विशेष अवसर पर मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एवं फार्मेसी प्रकोष्ठ जिला शाखा मंडला द्वारा जिला चिकित्सालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में मुस्तैदी से सेवारत सभी चिकित्सकों को उनकी उत्कृष्ट और निस्वार्थ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष शरद मेश्राम ने चिकित्सकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि पीड़ित मानव सेवा को समर्पित चिकित्सक मरीजों के लिए साक्षात ईश्वर का स्वरूप हैं। समाज को स्वस्थ, सुरक्षित और पीड़ा मुक्त बनाने में डॉक्टरों द्वारा दिया जा रहा योगदान पूरी तरह अमूल्य और वंदनीय है।

इन वरिष्ठ चिकित्सकों का हुआ सम्मान : समारोह में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. विजय सिंह धुर्वे, आरएमओ डॉ. हेमेंद्र चौहान सहित डॉ. अलका तेजा, डॉ. मनोज मुराली, डॉ. प्रवीण उईके, डॉ. सूरज मरावी, डॉ. कमलेश ठाकुर, डॉ. योगेश सिरश्याम, डॉ. ऊषा धुर्वे, डॉ. तुलसी मरावी, डॉ. अंकिता पटेल, डॉ. दिव्येश पटेल, डॉ. अविनाश खरे, डॉ. जागृति अग्रवाल, डॉ. सौम्या चौबे, डॉ. रितेश अग्रवाल, डॉ. राहुल झारिया, डॉ. अंशुल शर्मा और डॉ. शिवम पटेल सहित अन्य सभी सेवारत डॉक्टरों का आदरपूर्वक सम्मान किया गया।

साक्षरता शिविर में महिलाओं को दी बैंकिंग योजनाओं एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी

मंडला। वित्तीय साक्षरता केंद्र सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया मंडला द्वारा विकासखंड बिछिया में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता केंद्र के अधिकारी कृष्णकांत अवस्थी ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर में विकासखंड बिछिया की आजीविका मिशन प्रबंधक शाहिन परवीन, आरसेटी के फैकल्टी राजीव शर्मा एवं आशीष अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री अवस्थी ने महिलाओं को पीएम बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित बैंक की विभिन्न जमा एवं ऋण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल बैंकिंग के दौरान होने वाले विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की तथा किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। शिविर में उपस्थित महिलाओं ने योजनाओं एवं साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी को उपयोगी बताते हुए बैंक अधिकारियों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

बाइक चोर चढ़ा हत्थे, 3 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा शातिर वाहन चोर

मंडला, नवभारत। जिला मुख्यालय की कोतवाली थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनमें दो हीरो पैशन प्रो और एक हीरो सुपर स्प्लेंडर शामिल हैं।

मामले की विवेचना के दौरान कोतवाली पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदेही विवेक दास भैंसवार निवासी ग्राम सुक्का, थाना घंसौर, जिला सिवनी को हिरासत में

लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने वाहन चोरी की वारदातों को कबूल किया, जिसके बाद उसके कब्जे से तीनों दोपहिया वाहन जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी अन्य किन चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इसमें प्रधान आरक्षक अशोक मार्को, पूरन इड़पाचे सहित आरक्षक मृदुल, प्रियांश, रमेश, यमुना प्रसाद, जगदीश, धीरू, रजन, मुकेश, शैलेंद्र, संदीप और राजेश की सराहनीय भूमिका रही।

वर्षा के आशीष के बीच हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

जल प्रकृति का आशीर्वाद, इसका संरक्षण सबका दायित्व : मंत्री उइके

नैनपुर, नवभारत। प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन ऐसे समय हो रहा है, जब प्रकृति ने स्वयं वर्षा जल के रूप में हम सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। यह संदेश देता है कि यदि हम जल का सम्मान और संरक्षण करेंगे, तो प्रकृति भी हम पर अपनी कृपा बनाए रखेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का जो संकल्प लिया गया है, उसे प्रत्येक नागरिक अपने जीवन का हिस्सा बनाए। इस अवसर पर

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जल संरक्षण संबंधी संदेश का वाचन करते हुए उपस्थित नागरिकों से वर्षा जल के संरक्षण, जल स्त्रोतों के संवर्धन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लेने का आग्रह किया। समापन कार्यक्रम मंगलवार को मंडला जिले के नैनपुर विकासखंड के सर्रा-पिपरिया स्थित तालाब में वर्षा के बीच उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।

विकास या लापरवाही, पंडरिया में सीसी सड़क के ऊपर बिछाए जा रहे पेवर ब्लॉक

नाली नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश, ग्राम पंचायत पंडरिया के विकास कार्यों पर उठे सवाल

नारायणगंज, नवभारत। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पंडरिया में इन दिनों विकास कार्यों को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल खड़े होने लगे हैं। बस स्टैंड के समीप एक वार्ड में पंचायत द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आपत्ति जताई है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि पंचायत द्वारा पहले से बनी हुई सीसी सड़क के ऊपर ही दोबारा इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक बिछाए जा रहे हैं, जबकि क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत

यानी पानी निकासी के लिए नालियों की समुचित व्यवस्था आज भी जस की तस है।

बरसात में बन जाते हैं बाढ़ जैसे हालात : स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में नालियां न होने के कारण हर साल बरसात के मौसम में घरों और रास्तों का पानी सीधे सड़कों पर जमा हो जाता है। इससे न केवल आमजन का आवागमन पूरी तरह प्रभावित होता है, बल्कि लाखों की लागत से बनी सड़कें भी पानी भराव के कारण समय से पहले खराब होने लगती हैं। ग्रामीणों का तर्क है कि पंचायत को पहले जल निकासी की इस

विकराल समस्या का समाधान करना चाहिए था, लेकिन उसे दरकिनार कर पहले से बनी पक्की सड़क पर पेवर ब्लॉक लगाने का काम किया जा रहा है।

लापरवाही छिपाने का आरोप, जांच की मांग: वार्डवासियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत प्रशासन अपनी मूलभूत कमियों और पूर्व में नाली निर्माण में हुई घोर लापरवाही को छिपाने के लिए इस प्रकार के अनावश्यक कार्य कर रहा है। यदि सरकारी बजट का उपयोग पहले व्यवस्थित नालियों के निर्माण में किया जाता, तो आने वाले वर्षाकाल में लोगों को जलभराव की समस्या से बड़ी राहत मिल सकती थी। इस अव्यवस्था को देखते हुए ग्रामीणों ने अब जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि गुणवत्ता और उनकी वास्तविक आवश्यकता का मूल्यांकन किया जाए।

100 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

निवास। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित 100 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन मंगलवार को निवास में हुआ। इस अभियान के तहत क्षेत्र में बोरी बंधान, जल संरचनाओं का संरक्षण, जल चौपाल, नदी पूजन और श्रमदान जैसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ शिक्षक नवीन व्यौहार ने जल संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम में सरपंच शिवकुमारी टेकाम और ब्लॉक समन्वयक सूरज बर्मन ने भी विचार रखे, जबकि संचालन मनोज तिवारी ने किया।

9 युवाओं का चयन

मंडला। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडला में 11 जून को जीडीएसएस ग्रुप, ग्रेटर नोएडा एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट-2005 के तहत सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर पदों के लिए भर्ती शिविर आयोजित किया गया। इस भर्ती शिविर में जिले के 9 युवाओं का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को जीडीएसएस ग्रुप के प्रशिक्षण केंद्र, नोएडा में 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रमाण-पत्र प्रदान कर मध्यप्रदेश के भोपाल स्थित आयशर कंपनी तथा इंदौर की मारुति सुजुकी कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में नियुक्ति दी जाएगी।

मवई में कॉम्प्लेक्स निर्माण पर गहराया विवाद

ग्रामीणों ने कहा जांच के दावों के बीच कैसे शुरू हुआ काम

मवई, नवभारत। आदिवासी विकासखंड मवई में फिश पार्लर के नाम पर किए जा रहे एक बड़े कॉम्प्लेक्स निर्माण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और क्षेत्र के युवाओं ने इस निर्माण कार्य की वैधता को चुनौती देते हुए जिला प्रशासन से निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित स्थल पर जिस निर्माण कार्य का प्रस्ताव या स्वीकृति ली गई थी, वह एक छोटे कॉम्प्लेक्स अथवा सीमित निर्माण के लिए थी। इसके विपरीत, मौके पर तय सीमा से कहीं बड़े और भव्य भवन का निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है। इसी अनियमितता को लेकर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताते हुए संबंधित अधिकारियों से लिखित शिकायत की थी।

प्रशासनिक अमले की कार्रवाई और वीडियो साक्ष्य का दावा

शिकायत के बाद प्रशासनिक और राजस्व अमला मौके पर जांच के लिए पहुंचा था। ग्रामीणों का दावा है कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और पटवारी ने प्रारंभिक जांच में इस निर्माण को अवैध पाया था और काम को तुरंत रोकने के निर्देश दिए थे। स्थानीय

नागरिकों का यह भी कहना है कि उस दिन हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई और अधिकारियों के बयानों के पुख्ता वीडियो साक्ष्य उनके पास सुरक्षित हैं। इस मामले में तब और असमंजस की स्थिति बन गई, जब ग्राम पंचायत सचिव से संपर्क किया गया। सचिव ने इस तरह के किसी भी कॉम्प्लेक्स निर्माण के संबंध में स्पष्ट जानकारी होने से साफ इनकार कर दिया, जिससे पंचायत स्तर पर पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बदले सुर और जनसुनवाई के दिन दोबारा शुरू हुआ काम

ग्रामीणों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते हुए बताया कि जनसुनवाई के दिन, जब संबंधित अधिकारी मुख्यालय से बाहर थे, मौके पर निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि बाद में अधिकारियों के स्तर से इस निर्माण को वैध बताते हुए यह कहा गया कि प्रशासन की ओर से कभी कोई रोक नहीं लगाई गई थी।

अभियान

रुको, सोचो, फिर कार्रवाई करो के मंत्र के साथ जिले में चलाया जागरूकता अभियान

ऑपरेशन सेफ क्लिक 2 .0 के तहत डिजिटल ठगी पर पुलिस का प्रहार

मंडला, नवभारत। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के नेतृत्व में जिले भर में साइबर अपराधों के खिलाफ एक व्यापक मोर्चा खोला गया है। जिला पुलिस द्वारा संचालित ऑपरेशन सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के तहत आज जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों और सार्वजनिक स्थलों पर सघन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस महाअभियान के तहत

यातायात पुलिस सहित थाना कोतवाली मंडला, नैनपुर, निवास, मोहगांव, घुघरी, बिछिया, महाराजपुर, अजाक व मवई तथा चौकी हिरदेनगर, टाटरी, पिंडरई, सलवाह, मनेरी एवं छाबी ने अपने-अपने क्षेत्रों में कमान संभाली। पुलिस टीमों ने फूलसागर, हरिसिंघोरी, भीकमपुर, धनपुरीमाल, मंगवानी, बोडासिल्ली, दानिटोला, डोंगर मंडला, गवारा, रेवाड़ा, मुंगली, अंजनिया, राजो, गोंझी, आमानाला, ग्वारी, टाटरी, झूलपुर, भानपुर, खटिया, मनेरी, मेडी और अंडियामाल सहित दर्जनों ग्राम पंचायतों व सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर सीधे आमजन से संवाद किया।

इन आधुनिक साइबर खतरों से बचने के दिए टिप्स

आयोजित कार्यक्रमों में ग्रामीणों, सरपंच, कोटवार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को वर्तमान में चल रहे नए जमाने के साइबर अपराधों की जानकारी दी गई। पुलिस ने मुख्य रूप से फ्रॉड्स से बचने डिजिटल अरेस्ट और फर्जी बैंक कॉल्स, क्यूआर कोड स्कैम, निवेश एवं पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर होने वाली ठगी समेत अन्य के उपाय बताए। इसी कड़ी में थाना नैनपुर द्वारा ग्राम पंचायत रेवाड़ा में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें थाना प्रभारी निरीक्षक मंशाराम वगेन, उप निरीक्षक श्री विश्वकर्मा, ग्राम सरपंच जगत मरावी, उपसरपंच श्री पटेल एवं पूर्व सरपंच भास्कर पटेल की मौजूदगी में समझाइश दी गई।

रजक समाज निवास की नई कार्यकारिणी गठित

निवास। निवास ब्लाक के स्थानीय मंगल भवन में आयोजित संयुक्त रजक समाज की बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां नर्मदा और संत गाडगे महाराज के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई। बैठक में निवास, पिपरिया, बिशनपुरा, आमाडोगरी और भीकमपुर से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित हुए। बैठक में बारे लाल रजक भीकमपुर को समाज का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही रमेश रजक व गिरीश रजक को उपाध्यक्ष, प्रभु रजक को सचिव, कंधी लाल रजक को कोषाध्यक्ष तथा राकेश रजक व महेश रजक को संरक्षक बनाया गया।